दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा,मद्रास

मई–2009

समय : **10.00 से 1.00 बजे तक**

दिनांक: **15–05–2009**

उच्च शिक्षा और शोध संस्थान

दूरस्थ शिक्षा निदेशालय

बी.ए द्वितीय वर्ष परीक्षा

विषय : हिंदी(अनिवार्य),

शीर्षक : **प्रयोजनमूलक हिंदी : स्वरूप और प्रकार्य**

समय : 3 घंटे पूर्णांक : **75**

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखिए : 3x10=30

(क) हिंदी भाषा के प्रमुख साहित्येतर प्रकार्यों को समझाइए ।

(ख) प्रयोजनमूलक हिंदी के नामकरण संबंधी विभिन्न विद्वानों के मतों की विवेचना कीजिए ।

(ग) व्यापार से क्या तात्पर्य है? उसके विभिन्न साधनों का परिचय दीजिए ।

(घ) हिंदी की प्रमुख प्रयुक्तियाँ कौन–कौनसी हैं ? उनमें से बैंकिंग हिंदी की प्रयुक्ति पर विचार कीजिए ।

(च) विज्ञापन की विभिन्न परिभाषाओं पर विचार करते हुए हिंदी के कुछ विज्ञापनों पर टिप्पणी कीजिए।

(छ) वैज्ञानिक भाषा और साहित्यिक भाषा की वि ोषता एवं अंतर पर उदाहरण देकर प्रका ा डालिए ।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच के उत्तर लगभग 250 शब्दों में लिखिए : 5x6=30

(क) संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की अखिल भारतीय भूमिका को स्पष्ट कीजिए ।

(ख) बीमा के प्रकारों पर प्रकाश डालते हुए यह समझाइए कि बीमा व्यापार का सहायक साधन है।

(ग) टिप्पण क्या है?उसके प्रमुख प्रकारों का परिचय दीजिए।

P.T.O

(घ) प्रशासनिक पत्राचार से क्या तात्पर्य है ? प्रशासन में पत्राचार की क्या भूमिका होती है ?

(च) जनप्रिय वैज्ञानिक लेखन की भाषा के स्वरूप पर प्रकाश डालिए ।

(छ) औपचारिक और अनौपचारिक भाषा से क्या तात्पर्य है ? कार्यालयीन हिंदी के उदाहरण देकर समझाइए।

(ज) कार्यालयी हिंदी के प्रमुख गुणों की चर्चा कीजिए ।

(झ) विधि–क्षेत्र की हिंदी की प्रयुक्ति पर प्रकाश डालिए ।

3.निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए : 3x5=15

(क) संप्रेषण शैली

(ख) मसौदा लेखन की प्रक्रिया

(ग) अधिसूचना

(घ) अनुनेय विज्ञापन

(च) राष्ट्रभाषा हिंदी

****